

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलकटर नीम का थाना
 इनका :- सुरेन्द्र सिंह बनाम तहसीलदार उदुमपुरवादी
 क्रि.म. :- धारणा - पत्र (आगत) ; मु.नं. :- 02/2024

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज 2/2024	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
---------------	---	---

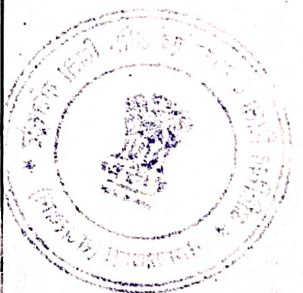
24.7.24

पडावली पेश इंडा। वकील डाची उपर। वकील
 डाची डि बहल पर मनन रिपा जापा एवं
 पडावली व पडावली में उपलब्ध रिमाई
 का अवलोकन रिपा जापा। पडावली में
 उपलब्ध अधिनल्प न्यायालय द्वारा पारिठनिर्णय
 की प्रतिके अवलोकन रिपा जापा। जिसने
 अवलोकन ले पाया जापा डि डाची द्वारा
 भूमि खणन 68 तन ग्राम मणकलाव तहसील
 उदुमपुरवादी में 22.4 वर्ग मीटर भूमि पर
 पम्पी हुकान बनाकर क्रतिक्रमण कला बनापाछे।
 धारणा पत्र में निस्तारण के लक्ष्य
 न्यायालय को यह देखना होना है डि ज्यादा
 डाची के पक्ष में प्रथम दुल्घा मामला, सुविधा
 का लडलन व करणीय मति के बिन्दु बनते
 हैं अथवा नहीं। प्रत्येक बिन्दु पर विवेचन
 निम्न प्रकार है।

1. प्रथम दुल्घा मामला :- पडावली व पडावली में
 प्रदुत रिमाई के अवलोकन ले पाया जापा डि
 डाची विवादित भूमि का जालेदार नहीं है।
 विवादित भूमि राजकीय भूमि है। जिल पर
 डाची द्वारा मनाधिनृत रूप ले क्रतिक्रमण
 कर रखा है। जिसका उसे कोई अधिकार नहीं
 है। प्रथम दुल्घा मामला देखने के लिए कलजा
 होना कावश्यक है। परन्तु डाची द्वारा जो कला
 कर रखा है वह राजकीय भूमि है। रिमाईड
 जालेदार व राजकीय भूमि के विरुद्ध मल्पाघी
 निषेधाज्ञा जारी रिपा जापा उचित प्रतीत नहीं
 होना है। पडावली में उपलब्ध रिमाई ले व
 राजकीय भूमि पर क्रतिक्रमण कले से प्रथम
 दुल्घा मामला डाची के पक्ष में बनना नहीं
 पाया जापा है।

2. सुविधा का लडलन :- जहाँ तक इस बिन्दु
 का प्रश्न है। डाची का धारणा पत्र लवीकार
 कले डि दशा में ज्यादा मलुसुविधा अडाची
 को होगी म्पेकि विवादित भूमि डाची डि
 जालेदारी डि ना होकर राजकीय भूमि है। इसलिए
 इस स्टेज पर सुविधा का लडलन डाची के
 पक्ष में होना नहीं पाया जापा है।

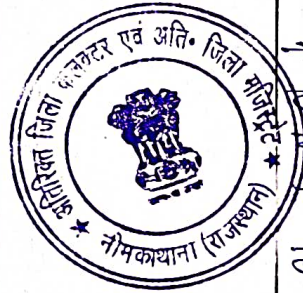
(अनिल कुमार)
 अतिरिक्त जिला कलकटर



तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
-----------------------	--	--

3. अपूरणीय सति का सिद्धान्त :- जहाँ तक इस बिन्दु का प्रश्न है कि प्रार्थना पत्र मस्वीकार किये जाने कि इशा में प्रार्थी को कोई किथिब घानी ना होकर तिली अपूरणीय सति के कारित होने की लभावना नही है। म्योकि हमि राजसीय है जो प्रार्थी व्यक्त मस्वीकार करते मा रहे है। एवं उल्लुव रिगार्ड से भी स्पष्ट है। इस प्रकार प्रार्थी रूपने पत्र में में प्रथम इल्ल्या भासला, लुविधा का लनुलन व अपूरणीय सति के बिन्दु बाकित कले में असफल रहा है।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी रूपने प्रार्थना पत्र को बाकित कले में असफल रहा है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र बाकित लगन त्वारीज रिपा जाता है। सि.हु.
परावली फैलल शुमार होकर नम्बर से कम होकर बाकिल इप्तर हो।



(Handwritten signature)
(अनिल कुमार)
 अतिरिक्त जिला कलेक्टर
 नीमकाथाना



(Faint handwritten text)
 (अनिल कुमार)
 अतिरिक्त जिला कलेक्टर